ग्रामीण पर्यटन

प्रलिम्सि के लिये:

ग्रामीण पर्यटन, पर्यटन मंत्रालय, भारतीय विरासत स्थल, ग्राम समूह, भारत भ्रमण 2023।

मेन्स के लिये:

ग्रामीण पर्यटन, महत्त्व और चुनौतियाँ।

चर्चा में क्यों?

पर्यटन मंत्रालय के ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे (CNA- RT & RH) प्रभाग ने ग्रामीण भारत में आने के इच्छुक पर्यटकों हेतु **छह विशिष्ट क्षेत्रों की पहचान की है, जिनमें कृषि पर्यटन, कला एवं संस्कृति, इकोटूरिज़्म, वन्य जीवन, जनजातीय पर्यटन तथा होमस्टे शामिल हैं।**

- पर्यटन मंत्रालय प्रतिस्पर्द्धी और स्थायी तथा ज़िम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने के व्यापक लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु **राज्य मूल्यांकन एवं रैंकिंग मानदंड स्थापित करने पर भी काम कर रहा है।**

प्रमुख बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - इस पहल का उद्देश्य बड़े पैमाने पर बुनियादी ढाँचे के विकास के बजाय धारणीय विकास पर ज़ोर देना है।
  - इसका उद्देश्य **स्थानीय संसाधनों तथा गाँवों में रोज़गार** के अवसरों को बढ़ावा देकर **समुदायों को अद्वितीय जैविक अनुभव प्रदान करना** है।
  - **पर्यटन मंत्रालय बजट तैयार करने की प्रक्रिया में है,** जिसमें ज़िला स्तर पर कुछ प्रशिक्षण मॉड्यूल्स 100% केंद्र द्वारा वित्तपोषित किये जाएंगे, जबकि अन्य मामलों में 60% केंद्र और 40% राज्य द्वारा वित्तपोषित होंगे।
- **ग्राम समूह:**
  - लगभग पाँच से सात गाँवों के **समूह/क्लस्टर चिह्नित किये जाएंगे।**
  - ये क्लस्टर लंबी दूरी के साथ अलग-अलग **गाँवों की ग्रामीण पर्यटन परियोजनाओं की तुलना में पर्यटकों को अधिक आकर्षित करेंगे।**
  - ये शिल्प बाज़ारों के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के विपणन में ग्राम समूह को सहायता प्रदान करेंगे।

ग्रामीण पर्यटन की अवधारणा:

- **परिचय:**
  - भारत में ग्रामीण पर्यटन, **ग्रामीण जीवन-शैली और संस्कृति की खोज तथा अनुभव पर केंद्रित है।**
  - इसमें स्थानीय संस्कृति और जीवन के प्रति गहरी समझ विकसित करने के लिये **ग्रामीण क्षेत्रों की यात्रा करना और खेती, हस्तशिल्प एवं गाँव की सैर** जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेना शामिल है।
    - उदाहरण के लिये **तमिलनाडु का कोलुक्कुमलाई विश्व का सबसे ऊँचा चाय बागान** है; केरल में **देवलोकम नदी के किनारे एक योग केंद्र है; नगालैंड का कोन्याक टी रिट्रीट आदि** आगंतुकों/पर्यटकों को आदिवासी संस्कृति को समझने-जानने में मदद करते हैं।
- **विस्तार:**
  - भारत की ग्रामीण पर्यटन क्षमता इसकी **विविध और जीवंत संस्कृति, हस्तशिल्प, लोक कलाओं, त्योहारों और मेलों में निहित है।**
  - एक अमेरिकी मार्केट रिसर्च कंपनी, **ग्रैंड व्यू रिसर्च** के अनुसार, **कृषि-पर्यटन उद्योग वर्ष 2022 से 2030 तक 11.4% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से बढ़ने की संभावना है।**
- **महत्त्व:**

- **ग्रामीण पर्यटन न केवल स्थानीय कला और शिल्प को नई ऊर्जा प्रदान करने के साथ व्यवहार्य पारंपरिक व्यवसायों को विस्थापित होने से रोक सकता है**, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों के पुनर्विकास एवं ग्रामीण जीवन को पुनः जीवंत करने, रोज़गार तथा नए व्यावसायिक अवसर पैदा करने में भी मदद करेगा।
- **लाभ:**
  - बाह्य-प्रवासन में कमी, वैकल्पिक व्यापार के अवसरों में वृद्धि
  - उद्यमशीलता के दायरे में वृद्धि
  - गरीबी उन्मूलन में मदद
  - सामुदायिक सशक्तीकरण
  - कला और शिल्प
  - विरासत संरक्षण

भारत में ग्रामीण पर्यटन के लिये चुनौतियाँ:

- **बुनियादी ढाँचे की कमी:**
  - ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर **अच्छी सड़कों, बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव** होता है, इसे **पर्यटकों को आकर्षित करने की दिशा में एक बाधा** के रूप में देखा जाता है।
  - **अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा** भी आगंतुकों/पर्यटकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने की स्थानीय समुदायों की क्षमता को कम कर सकता है।
- **जागरूकता की कमी:**
  - **पर्यटकों और स्थानीय समुदायों के बीच ग्रामीण पर्यटन के बारे में जागरूकता की कमी** पर्यटन क्षेत्र के विकास में बाधा उत्पन्न करती है।
  - बड़ी संख्या में लोग पर्यटन स्थलों के रूप में **ग्रामीण क्षेत्रों की क्षमता और पर्यटन से स्थानीय समुदायों को होने वाले लाभों से अनजान हैं।**
- **निम्न आय और बेरोज़गारी:**
  - ग्रामीण क्षेत्र अधिकांशतः **निम्न-आय स्तर और उच्च बेरोज़गारी दर** से पीड़ित होते हैं।
  - इससे स्थानीय समुदायों के लिये पर्यटन के बुनियादी ढाँचे में निवेश करना और आगंतुकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करना मुश्किल हो सकता है।
- **पारिस्थितिकी के लिये खतरा:**
  - यदि इसे ठीक से प्रबंधित नहीं किया गया, तो ग्रामीण पर्यटन में **स्थानीय समुदायों और पर्यावरण को नुकसान** होने की संभावना है।
  - भीड़भाड़, प्रदूषण और **प्राकृतिक आवासों का विनाश स्थानीय पारिस्थितिकी तथा संस्कृति को नुकसान पहुँचा सकता है,** जो लंबे समय तक आगंतुकों को यहाँ आने से रोक सकता है।
- **सुरक्षा चिंताएँ:**
  - **उचित सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण** पर्यटक ग्रामीण क्षेत्रों में असुरक्षित महसूस कर सकते हैं, जिससे पर्यटन अनुभव और गंतव्य के प्रति नकारात्मक छवि बन जाती है।

संबंधित पहल:

- सरकार ग्रामीण पर्यटन स्थलों के रूप में विकास के लिये **परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY)** और मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट इन नॉर्थ ईस्ट रीजन (MOVCD-NER) के तहत विकसित जैविक कृषि क्षेत्रों की खोज कर रही है।
- देश भर से सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गाँव का चयन करने और देश में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये हाल ही में **बेस्ट टूरिज़्म विलेज कॉम्पिटिशन पोर्टल** लॉन्च किया गया।
  - 'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम प्रतियोगिता' तीन चरणों में आयोजित की जाएगी और इसके लिये ज़िला स्तर, राज्य स्तर और अंत में राष्ट्रीय स्तर पर प्रविष्टियाँ मांगी जाएंगी।
- पर्यटन मंत्रालय ने देश की **विभिन्न पर्यटन पेशकशों को उजागर करने और उन्हें वैश्विक पर्यटकों के सामने प्रदर्शित करने के लिये** भारत में आने वाले यात्रियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए **विज़िट इंडिया ईयर- 2023** की शुरुआत की है।
- ‘तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्द्धन अभियान’ (National Mission on Pilgrimage Rejuvenation and Spiritual Heritage Augmentation Drive- PRASHAD) को पर्यटन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2015 में लॉन्च किया गया था।
  - अभी तक प्रसाद (PRASHAD) योजना के तहत 1586.10 करोड़ रुपए की कुल 45 परियोजनाओं को मंज़ूरी दी जा चुकी है।
- वर्ष 2014-15 में आरंभ स्वदेश दर्शन योजना देश में थीम-आधारित पर्यटन सर्किट के एकीकृत विकास पर ध्यान केंद्रित करती है।
  - थीम- इको, हेरिटेज, हिमालयन एवं तटीय सर्किट आदि जैसे विभिन्न विषयों के तहत 5315.59 करोड़ रुपए की राशि के साथ 76 परियोजनाएँ मंज़ूर की गई थीं।

आगे की राह

- ग्रामीण पर्यटन स्थल **विशिष्ट रूप से उन क्षेत्रों के नज़दीक होने चाहिये जहाँ लोग आमतौर आवागमन करते हैं।**

- ग्रामीण पर्यटन के लिये विकसित किये जाने वाले गंतव्यों के चयन हेतु **गंतव्यों तक पहुँच पहला मानदंड होना चाहिये।**
- गंतव्यों का प्रचार-प्रसार कारीगरों को अपने उत्पादों को बेहतर ढंग से बेचने में मदद करेगा और पर्यटकों की संख्या बढ़ाने हेतु परियोजना के उचित पर्यवेक्षण की आवश्यकता होती है।
- पर्यटन से **उत्पन्न आय का उपयोग कला, नृत्य और लोकगीतों के जातीय रूपों के संरक्षण** में किया जा सकता है। यह ग्रामीण लोगों के हितों की रक्षा करेगा तथा **घरों से मीलों दूर जाकर आजीविका कमाने के उनके दबाव को कम करेगा।**

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. विकास की पहल और पर्यटन के नकारात्मक प्रभाव से पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र को कैसे बहाल किया जा सकता है? (मुख्य परीक्षा-2019)

प्रश्न. जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्य पर्यटन के कारण अपनी पारिस्थितिकि वहन क्षमता की सीमा तक पहुँच रहे हैं। समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिये। (मुख्य परीक्षा- 2015)

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rural-tourism-3